केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

School of Languages and Comparative Literature
Department of Hindi and Comparative Literature

भाषा एवं तुलनात्मक साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

पाठ्यक्रम
पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन
प्रवेश वर्ष 2021 से प्रारंभ

Syllabus

P.G. Diploma in Hindi Journalism and Media Writing

Admission 2021 Onwards

पाठ्यक्रम समिति
पी.जी.डिप्लोमाहिन्दीजनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

पाठ्यक्रम समिति :

01	डॉ. तारु एस.पवार	उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	अध्यक्ष
02	प्रो. सुधा बालकृष्णन	आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
03	डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
04	डॉ. शलिनी एम.	सहायक आचार्य, अँग्रेजी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
05	डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल	डायरेक्टर जनरल, वैश्विक हिन्दी शोध संस्थान, देहरादून	सदस्य
06	प्रो. (डॉ.) जयचन्द्रन	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
07	प्रो. (डॉ.) शांति नायर	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी, केरल	सदस्य
08	डॉ. सुमा रोडनवाल	उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय कॉलेज मंगलोर, कर्नाटक	सदस्य

Syllabus Committee
P.G. Diploma Hindi Jansanchar Madhyam Aur Media lekhan

Syllabus Committee:

01	Dr. Taru S. Pawar	Associate Professor & Head, Department of Hindi, CUK.	Chairperson
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Assistant Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
04	Dr. Shalini M	Assistant Professor, Department of English, CUK.	Member
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Director General, Global Hindi Research Institute, Dehradun.	Member
06	Prof. (Dr.) Jayachandran R.	Professor & Head, Department of Hindi, Kerala University, Kerala	Member
07	Prof. (Dr.) Shanti Nair	Professor & Head, Deaprtment of Hindi, Sree Sankarachayaya University of Sanskrit, Kalady, Kerala.	Member
08	Dr. Suma T. Rodanvar	Associate Professor & P.G. Co-ordinator, Department of Hindi, University College, Mangalore, Karanataka.	Member

पाठ्यक्रम

पी.जी. डिप्लोमा हिन्दी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

Code	पाठ्यक्रम व विषयवस्तु	L	T	P	C
	आधारभूत पाठ्यक्रम				20
LHC 4101	हिंदी पत्रकारिता का सामान्य परिचय	3	1		4
LHC 4102	संपादन सिद्धांत एवं लेखन	3	1		4
LHC 4201	रिपोर्टर और संवाददाता की कार्य पद्धतियाँ और प्रकार	3	1		4
LHC 4202	जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण	3	1		4
LHC 4203	लघुशोध प्रबंध और पूर्व प्रस्तुति				4

पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन (Course: P. G. Diploma course in Hindi Jansanchar Madhyam aur Media Lekhan) :

प्रोग्राम परिचय (Programme Introduction) :

प्रौद्योगिकी विकास में जनसंचार माध्यम एक नैसर्गिक अवश्यकता हैं। इसके अनुपस्थिति में मानव अस्तित्वहीन है । मनुष्य भूखा प्यासा एक पल रह सकता है, पर संचार के बगैर नहीं। सूचना- क्रांति के दौर में जनसंपर्क एक**सम्प्रेषण-विज्ञान** का कार्य करती हैं। सूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं बल्कि जीवन के शाश्वत, नैतिक सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम को जाँचने और परखने का माध्यम है। सम्पूर्ण समाज और राजस्व-व्यवस्था का नियामक है। सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक संघर्षों की छंटा को यथावत रूप में उभारने का कार्य करती है तो दूसरी ओर परस्पर सहमति और सौहार्द्र स्थापित करती है। यह वह कला है, जो मानव-व्यवहार को अपने अनुकूल मोड़ सकती है। मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क के रूप में देख पातें हैं । केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय इन्हीं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए '**पी.जी. डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन**' पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम आरम्भ किया है। मीडिया में करियर्स बनाने के प्रति शहरी और ग्रामीण छात्रों का रुझान वर्ष 2000 के बाद बड़ी तीव्रता से बढ़ी है जिसमें दृश्य-श्रव्य संचार माध्यम मुख्य रूप से आकर्षण के केंद्र रहा है। सूचना ग्रहण से लेकर सूचना प्रसारण तक के बीच संचार को अनेक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। (संचार लेखन से संचार प्रस्तुति तक) इन प्रक्रियाओं को पूरा करनेहेतु - चुनौतियों को स्वीकार करनेवाले युवाओं की रोजगार हेतु मांग बढ़ी है। रिपोर्टिंग, संपादन, कार्टूनिस्ट, कंप्यूटर आपरेटर, डिज़ाइनर, प्रूफ रीडर, पेज सेटर, टी.वी. रिपोर्टिंग, न्यूज़ रीडर, एंकरिंग आदि के अलावा अनेक तकनिकी प्रयोक्ताओं की आवस्यकता पड़ती है।

प्रोग्राम उपादेयता (Programme Outcome) :

एक वर्षीय रोजगारपरक (skill based programme) पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् छात्र मीडिया से संबंधित सभी क्षेत्रों और उपकरणों का ज्ञान प्राप्त कर आजीविका हासिल कर सकता है। सूचना संग्रह से सूचना प्रसारण तक के बीच संचार को अनेक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है संचार लेखन से संचार प्रस्तुति तक ।इन प्रक्रियाओं को पूरा करनेहेतु चुनौतियों को स्वीकार करनेवाले युवाओं की आवश्यकता होती है। रिपोर्टिंग, संपादन, कार्टूनिस्ट, कंप्यूटर ओपेरटर, डिज़ाइनर, प्रूफ रीडर, पेज सेटर, टी.वी. रिपोर्टिंग न्यूज़ रीडर,

एंकरिंग आदि के अलावा अनेक तकनिकी प्रयोक्ताओं की आवश्यकता पड़ती है। फिलांसर के रूप में विज्ञापन एजेंसी, समाचार एजेंसी, बाजार-उपभोक्ता-उत्पादक-विनिमय-उपयोगिता-निवेश-गुणवत्ता आदि से संबंधित अनुसंधान एजेंसी के रूप में रोजगार की संभावनाएं बन सकती है। लेखन कार्य के रूप में समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएं, प्रकाशन संस्थान आदि में रोजगार प्राप्त किया जा सकता हैं।

पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

Course: P. G. Diploma course in Hindi Jansanchar Madhyam aur Media Lekhan

पाठ्यक्रम (Syllabus of the Course)

LMC 4101 – हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप एवं इतिहास

Course Code	LMC 4101	Semester	I(First)
Name of Course	हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप और इतिहास (Hindi PatrakaritaKaSwroopAurItihas)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

संचार माध्यमसूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं बल्कि जीवन के शाश्वत, नैतिक, सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम को जांचने और परखने का माध्यम है । सम्पूर्ण समाज और राजस्व-व्यवस्था का नियामक है। सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक संघर्षों की छंटा को यथावत रूप में उभारने का कार्य करती है तो दूसरी ओर परस्पर सहमति और सौहार्द्र स्थापित करती है।संचार माध्यमों की ऐतिहासिक जानकारी हासिल करते हुए रेडियो, टेलीविज़न और समाचार पत्र के लिए लेखन प्रक्रिया और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी। बदलते परिप्रेक्ष्य में माध्यमों में प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- यह प्रश्न पत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक आरंभिक जानकारी– स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् की देता है जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई- एक

भारत में पत्रकारिता का विकास – मुद्रण पद्धतियों का परिचय एवं उपकरण इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम के पूर्व और पश्चात् पत्रकारिता, स्वतन्त्र पत्रकारिता

इकाई- दो

हिंदी पत्रकारिता का उदय एवं विकास - पत्रकारिता का अर्थ,परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार,इतिहास उदय, तत्व, राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम मेंहिन्दी पत्रकारिता का महत्त्व जनसंचार लेखन एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य : संपादकीय लेख

इकाई- तीन

इंट्रो के प्रकार , छः-ककार, पत्रकारिता का मूल्य, समाचार संकलन में छः ककार की भूमिका, निर्मित समाचार, पत्रकारिता से संबंधित पारिभाषिक और तकनीकी शब्दावली

इकाई- चार

प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया - रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएं

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LMC 4102 – संपादन सिद्धांत एवं लेखन

Course Code	LMC 4102	Semester	I(First)
Name of Course	संपादन सिद्धांत एवं लेखन(Sampadan Aur Siddhant Lekhan)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

सूचना - क्रांति के दौर में जनसंपर्क एक सम्प्रेषण-विज्ञान का कार्य करती है। सूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं बल्कि जीवन के शाश्वत, नैतिक सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम को जाँचने और परखने का माध्यम है। सम्पूर्ण समाज और राजस्व-व्यवस्था का नियामक है । सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक संघर्षों कीछंटा को यथावत रूप में उभारने का कार्य करती है तो दूसरी ओर परस्पर सहमति और सौहार्द्र स्थापित करती है । यह वह कला है, जो मानव-व्यवहार को अपने अनुकूल मोड़ सकती है । मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क के रूप में देख पाते हैं।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन और संपादन प्रक्रिया की जानकारी हासिल कराते हुए रेडिओ, टेलीविज़न और समाचार पत्र के लिए अनुसंधान, विज्ञापन, साक्षात्कार, फिल्म, सनसनीखेज समाचार की पद्धतियों और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी। बदलते परिप्रेक्ष्य के माध्यमों में प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।
- यह प्रश्न पत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक प्रारंभिक जानकारी– स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् की देता है जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास-कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।
- इसके माध्यम से छात्र क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर समाचार पात्रों में संपादन प्रक्रिया, समाचार लेखन का कार्य आरम्भ कर सकतें हैं।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई– एक

संपादन स्वरूप,अर्थ,परिभाषा, प्रक्रिया, कला और सिद्धांत

इकाई– दो

समाचार संपादन कला के गुण और दायित्व, संपादन और संपादक का पारस्परिक संबंध

इकाई– तीन

समाचार संपादन, फीचर संपादन, साक्षात्कार संपादन, फोलोअप , समाचार लेखन, खेल संबंधी लेखन, फीचर लेखन

इकाई– चार

पत्रसूचना कार्यालय, फिल्म डिविजन, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, प्रकाशन विभाग, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, फोटो डिवीजन, अनुसन्धान डिवीज, केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, फिल्म वित् निगम

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LMC 4201 – रिपोर्टर और संवादाता की कार्य पद्धतियाँ और प्रकार

Course Code	LMC 4201	Semester	II(Second)
Name of Course	रिपोर्टर और संवादाता की कार्य पद्धतियाँ और प्रकार (Reporter AurSamvaddata KI Karya Paddhatiyan Aur Prakar)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

सूचना-क्रांति के नए दौर में जनसंपर्क एक सम्प्रेषण-विज्ञान का कार्य करती हैं । सूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं, जीवन के शाश्वत, नैतिक सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम में परखने का माध्यम है । मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं है, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क में रिपोर्टर और संवादाता के रूप में देख पातें हैं।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- संचार माध्यमों के लिए रिपोर्टर और संवादाता की कार्य पद्धतियों की जानकारी हासिल कराते हुए रेडिओ, टेलीविज़न और समाचार पत्र हेतु रिपोर्टिंग की पद्धतियों और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी।
- बदलते परिप्रेक्ष्य के माध्यमों में प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।
- यह प्रश्न पत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक प्रारंभिक जानकारी– स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् की देता है जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास-कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।
- इसके माध्यम से छात्र क्षेत्रीय व् राष्ट्रीय स्तर परइलेक्ट्रॉनिकमाध्यमों में कार्य, संपादन प्रक्रिया, समाचार लेखन हेतु रिपोर्टिंग का कार्य आरम्भ कर सकतें हैं।
- फिलांस रिपोर्टिंग और लाइव रिपोर्टिंगआदि में कार्य आरम्भ किया जा सकता है।
- रेडियो और टेलीविजन में संवादाता और रिपोर्टर के रूप में रोजगार प्राप्त किया जा सकता है ।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई– एक

रिपोर्टिंग का महत्त्व व प्रकार- अपराध रिपोर्टिंग, खेल रिपोर्टिंग, मानवीय रूचि संबंधी रिपोर्टिंग, चुनाव संबंधी रिपोर्टिंग, खोजी रिपोर्टिंग, व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग, शैक्षिक रिपोर्टिंग, संसदीय रिपोर्टिंग

इकाई– दो

संवादाता की ज़िम्मेदारियाँ एवं गुण – खबरों का संकलन, खबरें कैसी हो, संवाददाताओं की श्रेणियाँ, क्षेत्र विभाजन, भेंटवार्ता, प्रेस कांफ्रेंस, प्रेस नोट, फोलोअप व प्रेस ब्रिफिंग, संगोष्ठी चर्चा-परिचर्चा

इकाई– तीन

नई हालात और चुनौतियाँ, संपादन प्रस्तुति

इकाई– चार

नई मीडिया रिपोर्टिंग, लाइव रिपोर्टिंग

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LMC 4202 – जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण

Course Code	LMC 4202	Semester	II(Second)
Name of Course	जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण (Jansanchar Madhyam Aur Sampreshan)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

सूचना-क्रांति के दौर में जनसंपर्क माध्यम एक **सम्प्रेषण-विज्ञान** का कार्य करती है। सूचनाओं और समाचारों का संकलन कर प्रकाशित और प्रसारित करने की प्रक्रिया में एक बहुत बड़े पैमाने में मध्य उपकरण यंत्र कार्य करती है जिसकी जानकारी एक जनसंचार कर्मी को होना अत्यंत आवश्यक है। मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क में रिपोर्टर और संवादाता के रूप में देख पातें हैं।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- संचार माध्यमों और संप्रेषण की सामान्य जानकारी हासिल कराते हुए रेडिओ, टेलीविज़न और समाचार पत्र के लिए सामग्री संकलन सम्प्रेषण पद्धतियों और उसके नियमावली की जानकारी हासिल की जाएगी।
- बदलते परिप्रेक्ष्य में माध्यमों के प्रकाशित घटनाओं का सन्दर्भ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।
- यह प्रश्नपत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक प्रारंभिक जानकारी – स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् देता है - जो नेट परीक्षा, राज्यस्तरीय परीक्षाओं, साक्षात्कारों और एन.एस.डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (IIMS) जैसे संस्थानों में प्रवेश परीक्षा हेतु अत्यंत उपयोगी है।
- इसके माध्यम से छात्र क्षेत्रीय व् राष्ट्रीय हेतु इलेक्ट्रोनिक मीडिया में कार्य, संपादन प्रक्रिया, समाचार लेखन हेतु रिपोर्टिंग का कार्य आरम्भ कर सकतें हैं।
- फिलांस विज्ञापन का कार्य आरम्भ किया जा सकता है।

- रेडियो और टेलीविजन में तकनिकी ज्ञान के आधार पर प्रसारण तकनिकी के रूप में रोजगार की संभावनाएं है।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई- एक

टेलीविजन व रेडियो का संक्षिप्त इतिहास– रेडियो और टेलीविजन का संक्षिप्त इतिहास , भारत में दृश्य और श्रव्य माध्यम, आजादी के पश्चात् टेलीविजन और रेडियो का बदलता स्वरूप,पटकथा लेखन,विज्ञापन

इकाई– दो

रेडियो और टेलीविजन प्रसारण – स्टूडियो और नियंत्रण कक्ष, ट्रांस मीटर, रिसीवर, उपकरण, माइक्रोफोन, प्रसारण कक्ष, स्टूडियो , सेटेलाइट उपकरण, प्रसारण विधि

इकाई– तीन

रेडियो कार्यक्रम - रेडियो और टेलीविजन साक्षात्कार , रेडियो ब्रिज, फ़ोन इन सेवा, रेडियो ओर टेलीविजन खेल प्रसारण, समाचार प्रस्तुति, धारावाहिक निर्माण आदि

इकाई- चार

रेडियो और टेलीविजन लेखन- समाचार लेखन, फीचर, रेडियो और टेलीविजन साक्षात्कार, विज्ञापन लेखन, विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया और विज्ञापन एजेंसी,विज्ञापन प्रसारण

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।

LMC 4203 – लघु शोध प्रबंध और पूर्व प्रस्तुति

Course Code	LMC 4203	Semester	II(Second)
Name of Course	**लघु शोध प्रबंध और पूर्व प्रस्तुति** (Laghu Shodh Prabandh Aur Poorva Prastiti)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

समाचारों का संकलन कर प्रकाशित और प्रसारित करने की प्रक्रिया में एक बहुत बड़े पैमाने में मध्य उपकरण कार्य करती है, जिसकी जानकारी एक जनसंचार कर्मी को होना अत्यंत आवश्यक है। यहाँ प्रायोगिक विधानों का प्रयोग किया जाना अत्यंत आवश्यक है। मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं है, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क में रिपोर्टर और संवादाता के रूप में देख पातें है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- संचार माध्यमों की लेखन, संपादन, विज्ञापन प्रक्रिया की जानकारी हासिल कराते हुए रेडिओ, टेलीविज़न और समाचार पत्र हेतु समाचार प्रक्रिया की पद्धतियों और उसके नियमावली की जानकारी हासिल करने को मूल्यांकित की जाएगी।
- बदलते परिप्रेक्ष्य में माध्यमों में प्रकाशित घटनाओं का संदभ लेते हुए उसके प्रभाव और संदर्भित यथावत् तथ्यों का मूल्यांकन करने की क्षमता बढेंगी।
- यह प्रश्नपत्र छात्रों को पत्रकारिता से संबंधित तथ्यात्मक आरंभिक जानकारी – को प्रयोगात्मक दृष्टि से कितना उपयोगी और महत्वपूर्ण है इसका परीक्षण करने हेतु लघु शोध प्रबंध का कार्य करवाया जाता है जो छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसके माध्यम से छात्र अपनेरोजगार से संबंधित संभावनाओं को तराशने और तलासने का प्रयास करता है।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

1. प्रिंट मीडिया

2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
3. रेडियो प्रसारण
4. समाचार लेखन
5. विज्ञापन लेखन
6. सोशल मीडिया
7. जनसंचार और आचार संहिता
8. साइबर सेल

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **मौखिक परीक्षा (कुल अंक 40)**
- **लघु शोध प्रबंध : (कुल अंक 60)**

सन्दर्भ पुस्तक सूची

1. विनीता सहगल- आज का युग : इंटरनेट युग
2. मनोज सिंह- आओ कम्प्यूटर सीखें
3. विनोद कुमार मिश्रा- आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान
4. गुंजन शर्मा- कम्प्यूटर : बेसिक शिक्षा
5. विष्णुप्रिया सिंह- कम्प्यूटर का परिचय
6. राजेश कुमार- कम्प्यूटर एक अद्रभुत आविष्कार
7. शादाब मलिक- कम्प्यूटर और इसके अनुप्रयोग
8. नीति मेहता- कम्प्यूटर इंटरनेट शब्दकोश
9. राजगोपाल सिंह जादिन- कम्प्यूटर के विविध आयाम
10. विष्णुप्रिया सिंह- कम्प्यूटर नेटवर्किंग कोर्स